

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.Pd.Singh College, Ara

नव-फ्रायडियन: अल्फ्रेड एडलर (Neo-Freudians: Alfred Adler)

1. परिचय (Introduction)

- Alfred Adler (1870–1937) ऑस्ट्रियाई मनोचिकित्सक एवं नव-फ्रायडियन विचारक थे। प्रारम्भ में वे Sigmund Freud के सहयोगी थे, परन्तु बाद में उन्होंने अपने स्वतंत्र सिद्धांत व्यक्तिगत मनोविज्ञान (Individual Psychology) का प्रतिपादन किया।
- एडलर ने फ्रायड के जैविक एवं यौन-प्रेरणा आधारित दृष्टिकोण का विरोध करते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और लक्ष्य-उन्मुख (Goal-oriented) कारकों को अधिक महत्व दिया।

2. एडलर के सिद्धांत की मूल मान्यताएँ

- मनुष्य मूलतः सामाजिक प्राणी है।
- व्यवहार का निर्धारण अतीत की घटनाओं से अधिक भविष्य के लक्ष्यों द्वारा होता है।
- प्रत्येक व्यक्ति विशिष्ट (Unique) है।
- व्यक्तित्व का विकास सामाजिक संदर्भ में होता है।

3. व्यक्तिगत मनोविज्ञान (Individual Psychology)

- एडलर ने अपने सिद्धांत को “व्यक्तिगत मनोविज्ञान” कहा क्योंकि:
- व्यक्ति एक समग्र इकाई (Holistic being) है।
- शरीर और मन अलग-अलग नहीं, बल्कि एकीकृत रूप में कार्य करते हैं।
- व्यवहार का उद्देश्य जीवन में श्रेष्ठता (Superiority) प्राप्त करना है।



4. हीनता ग्रंथि (Inferiority Complex)

(A) हीनता की भावना (Feeling of Inferiority)

- बचपन में शारीरिक या सामाजिक कमियों के कारण उत्पन्न होती है।
- यह सामान्य और विकास के लिए प्रेरक शक्ति है।

(B) हीनता ग्रंथि (Inferiority Complex)

- जब व्यक्ति हीनता की भावना से उबर नहीं पाता।
- आत्मविश्वास की कमी, असफलता का भय, सामाजिक अलगाव।

5. श्रेष्ठता की अभिलाषा (Striving for Superiority)

- प्रत्येक व्यक्ति में स्वयं को बेहतर बनाने की प्रवृत्ति होती है।
- यह आत्म-सुधार और आत्म-सिद्धि की ओर ले जाती है।
- यदि संतुलित हो तो स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण करती है।

6. काल्पनिक अंतिम लक्ष्य (Fictional Finalism)

- व्यक्ति अपने जीवन में एक काल्पनिक लक्ष्य (Ideal Goal) बनाता है।
- यह लक्ष्य उसके व्यवहार को दिशा देता है।
- उदाहरण: "मुझे पूर्णतः सफल बनना है।"

7. जीवन-शैली (Style of Life)

- प्रत्येक व्यक्ति अपनी विशिष्ट जीवन-शैली विकसित करता है।
- 4-5 वर्ष की आयु तक इसका निर्माण हो जाता है।
- यह जीवन की समस्याओं से निपटने की रणनीति है।



जीवन-शैली के प्रकार:

- प्रभुत्वकारी (Ruling Type)
- आश्रित (Getting Type)
- परिहारक (Avoiding Type)
- सामाजिक रूप से उपयोगी (Socially Useful Type)

8. सामाजिक रुचि (Social Interest)

- समाज के प्रति सहयोग और संवेदना की भावना।
- स्वस्थ व्यक्तित्व की पहचान।
- समाज के कल्याण में योगदान देना।

9. जन्म-क्रम (Birth Order)

एडलर ने जन्म-क्रम को व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण माना।

जन्म-क्रम	संभावित विशेषताएँ
• प्रथम संतान	जिम्मेदार, नेतृत्व प्रवृत्ति
• मध्य संतान	प्रतिस्पर्धी, समायोजक
• अंतिम संतान	आश्रित, आकर्षण चाहने वाला
• एकल संतान	परिपक्व, ध्यान का केंद्र

10. एडलरियन चिकित्सा (Adlerian Therapy)

लक्ष्य:

- हीनता की भावना को कम करना



- सामाजिक रुचि का विकास
- स्वस्थ जीवन-शैली का निर्माण

प्रमुख तकनीकें:

- प्रारंभिक स्मृतियों का विश्लेषण
- प्रोत्साहन (Encouragement)
- जीवन-शैली का आकलन
- पुनःशिक्षण (Re-education)

11. फ्रायड और एडलर में अंतर

आधार	फ्रायड	एडलर
• प्रेरक शक्ति	यौन प्रवृत्ति	श्रेष्ठता की अभिलाषा
• दृष्टिकोण	अतीत-आधारित	भविष्य-लक्ष्य आधारित
• समाज का महत्व	कम	अत्यधिक
• व्यक्तित्व	संघर्ष-आधारित	उद्देश्य-आधारित

12. एडलर के योगदान

- सामाजिक कारकों को महत्व
- सकारात्मक मनोविज्ञान की नींव
- पारिवारिक परामर्श और शिक्षा में उपयोग
- आधुनिक काउंसलिंग पद्धतियों पर प्रभाव



13. आलोचना

- अनुभवजन्य प्रमाण सीमित
- कुछ अवधारणाएँ अमूर्त
- जन्म-क्रम सिद्धांत पर विवाद

14. समग्र मूल्यांकन

अल्फ्रेड एडलर ने मनोविज्ञान को एक सामाजिक और सकारात्मक दिशा प्रदान की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि मनुष्य केवल जैविक इच्छाओं से संचालित नहीं होता, बल्कि सामाजिक संबंधों और जीवन के लक्ष्यों से प्रेरित होता है।

